The Hindu- 31- October-2022

'Dolphins return to the Ganga in U.P.'

The Hindu Bureau
LUCKNOW

Dolphins have started coming back to the Ganga with improvement in the quality of the river water made possible by the Namami Gange programme, the Uttar Pradesh government said on Sunday. The government said that with the completion of 23 projects under the programme started in 2014, the State had stopped the flow of more than 460 MLD (million litres a day) of sewage into the Ganga.

"Under the programme, additional treatment capacity of about 33 MLD will also be created between September 2022 and December 2022 in Jhansi, Kanpur, Unnao, Shuklaganj, Sultanpur Budhana, Jaunpur and Baghpat at the cost of ₹2304.55 crore," the government said.

Dolphins have been breeding in Brijghat, Narora, Kanpur, Mirzapur and Varanasi, which is likely to increase their number. The present dolphin population in the Ganga in the State is estimated at 600.

Read | The day of the dolphin
bit.ly/3SSe4tT

Rashtriya Sahara- 31- October-2022

वर्षों का इंतजार एक नवम्बर को होगा खत्म

गंगाजल परियोजना का लोकार्पण करेंगे सीएम

■ सीएल मौर्य

ग्रेटर नोएडा। एसएनबी

वर्षों से गंगाजल की आपूर्ति का इंतजार कर रहे ग्रेटर नोएडा वासियों का इंतजार कल यानी एक नवंबर को खत्म हो जाएगा। जब प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गंगाजल परियोजना का लोकार्पण करेंगे। शहरवासियों के लिए यह बड़ी सौगात होगी। इसके साथ ही ग्रेटर नोएडा के 28 सेक्टरों में मिश्रित गंगाजल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। परियोजना से जुड़े सभी काम पूरे कर लिए गए हैं। लाइनों का सफल परीक्षण किया जा चुका है। गंगाजल के लिए ग्रेटर नोएडा वासियों को 17 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। दरअसल अपर गंगा कैनाल (हापुड़) से 85 क्यूसेक गंगाजल लाने की योजना वर्ष 2005 में बनी थी। महत्वपूर्ण परियोजना होने की वजह से ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण इसको लेकर काफी गंभीर रहा। शहर वासियों को भी गंगाजल का बेसब्री से इंतजार रहा, लेकिन परियोजना जमीन अधिग्रहण, सरकारी विभागों से अनुमति, बजट की कमी, किसानों का विरोध आदि बाधाओं की वजह से लेटलतीफी का शिकार हो गई। वर्ष 2012 से 2014 के बीच ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में जलापूर्ति नेटवर्क तैयार कर लिया गया था। वहीं 2017 के बाद देहरा से जैतपुर तक 23 किमी की पाइपलाइन, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट व देहरा में इंटेक (प्रारंभिक ट्रीटमेंट प्लांट) के निर्माण के कार्य शुरू किए गए। देहरा से 7.4 किमी की पाइप लाइन सिंचाई विभाग की जमीन से होकर जानी थी, जिसको ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 2018 तक पूरा कर लिया। उसके आगे एनटीपीसी से जमीन लेकर पाइप लाइन बिछाई गई। पल्ला के पास दिल्ली- हावड़ा रेलवे लाइन के नीचे से पाइप लाइन डालने का काम हुआ। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के नीचे से पाइप लाइन को पार करते हुए दिसंबर 2021 में गंगाजल पल्ला के डब्ल्यूटीपी तक पहुंच गया। इस बीच कुछ किसान पल्ला में बने डब्ल्यूटीपी पर धरने पर बैठ गए, जिसके चलते काम रुक गया। परियोजना की महत्ता को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ सुरेंद्र सिंह के निर्देश पर एसीईओ अदिति सिंह ने किसानों से वार्ता कर बीती1 जुलाई को धरना समाप्त कराया और फिर इस महत्वपूर्ण परियोजना पर आगे का काम तेजी से शुरू हुआ। इस तरह कई बाधाओं को पार करते हुए महत्वपूर्ण परियोजना को पूरा करने में सफलता मिली। गंगाजल परियोजना ग्रेटर नोएडा वासियों के लिए बड़ी सौगात है। प्रथम चरण में ग्रेटर नोएडा ईस्ट के अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा समेत बिल्डर एरिया के 28 सेक्टरों में मिश्रित गंगाजल की आपूर्ति की जाएगी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में दूसरे चरण में गंगाजल की आपूर्ति की जाएगी।

डाटा सेंटर, स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण व कुछ अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास आज करेंगे सीएम योगी : दो दिवसीय भ्रमण पर गौतमबुद्धनगर आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 31 अक्टूबर को ग्रेटर नोएडा में बने डाटा सेंटर व स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण और यमुना प्राधिकरण व नोएडा प्राधिकरण की कुछ परियोजनाओं का शिलान्यस करेंगे। सीएम योगी 1 नवंबर को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की महत्वपूर्ण परियोजना गंगाजल का लोकार्पण करेंगे।

गंगाजल से बुझेगी ग्रेनो वासियों की प्यास

घरों में पहुंचेगा मिश्रित गंगाजल

शहरवासियों के लिए होगी बड़ी सौगात

प्रथम चरण में 28 सेक्टरों में की जाएगी गंगाजल की आपूर्ति

2005 में की गई थी इस महत्वपूर्ण परियोजना की घोषणा

गंगाजल परियोजना एक नजर में

- 2005 में गंगा जल परियोजना की घोषणा की गई।
- फरवरी 2019 में दिल्ली- हावड़ा रेलवे लाइन के नीचे काम करने की अनुमति
- 3 जुलाई 2019 में एनटीपीसी दादरी से मिली एनओसी
- जून 2021 में वन विभाग ने दी काम करने की अनुमति
- जुलाई 2021 में आईओसीएल से पाइप लाइन डालने की अनुमति
- अक्टूबर 2021 में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के नीचे से लाइन डालने की अनुमति
- दिसंबर 2021 में पल्ला के डब्ल्यूटीपी तक पहुंचा गंगाजल
- किसानों के विरोध के चलते दिसंबर 2021 से 01 जुलाई 2022 तक काम अटका

Rajasthan Patrika- 31- October-2022

प्रधानमंत्री मोदी ने की गुजरात की सराहना

उपलब्धि : गुजरात में नल से जल योजना का लक्ष्य 100 फीसदी पूरा

पत्रिका स्पॉटलाइट

तय समय से 2 वर्ष पहले ही हासिल किया लक्ष्य

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. गुजरात ने 100 फीसदी जल से नल राज्य की उपलब्धि हासिल कर ली है। जल जीवन मिशन के तहत राज्य के ग्रामीण इलाकों के घरों में 100 प्रतिशत नल कनेक्शन का कार्य पूरा कर लिया है। जलापूर्ति मंत्री ऋषिकेश पटेल ने गत दिनों इसकी घोषणा की। गुजराती नव वर्ष पर इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के लोगों को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीटर पर बधाई देते हुए कहा कि यह जल शक्ति के प्रति आप लोगों के उत्साह को दर्शाता है।

गुजरात ने केन्द्र सरकार के 2024 तक लक्ष्य पूरा करने के 2 वर्ष पहले ही लक्ष्य पूरा कर दिखाया है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने भी ट्वीट कर कहा कि नववर्ष के पावन अवसर पर गुजरात ने एक और उपलब्धि प्राप्त की है। जल जीवन मिशन मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त 2009 को लाल किले की प्राचीर से जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। इस मिशन का उद्देश्य वर्ष 2024 तक देश के प्रत्येक ग्रामीण घरों घर को नियमित नल के जरिए शुद्ध व पर्याप्त प्रमाण में जल उपलब्ध कराना है। संघवी ने ट्वीट किया कि पानी के क्षेत्र में गुजरात आत्मनिर्भर बन चुका है। पानी जीवन का आधार है, पानी की एक-एक बूंद की कीमत गुजरात के लोगों से ज्यादा शायद ही कोई जानता होगा।

मोदी सरकार ने महिलाओं के जीवन को परिवर्तित करने से लेकर, हर घर नल की जरूरतों को पूरा करके दिखाया है। गौरतलब है कि जून 2021 में राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के तहत गुजरात को केंद्र सरकार ने पहली किस्त के रूप में 852. 65 करोड़ रुपए जारी हुए थे। वर्ष 2021-22 के लिए केंद्र में जल जीवन मिशन के तहत 3411 करोड़ रुपये गुजरात को आवंटित हुए थे। मार्च 2022 तक 10 लाख घरों को नल से जल योजना से जोड़ने की योजना थी।

छठा राज्य बना गुजरात

नल से जल अभियान के तहत ग्रामीण घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने वाली योजना को पूरा करने वाला गुजरात देश का छठा राज्य बन गया है। इससे पहले गोवा, तेलंगाना, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, पुडुचेरी, दादरा नगर हवेली व दीव दमन शामिल हैं। गुजरात के बाद हरियाणा ने भी यह उपलब्धि हासिल कर ली है। इनमें से चार राज्य सर्टिफाइड राज्य हैं।

गुजरात के 91 लाख ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचा

गुजरात के 9173378 ग्रामीण घरों में नल से जल की सुविधा हो गई है। 15 अगस्त 2019 में जब इस मिशन की शुरुआत की गई उस समय गुजरात के 6516258 घरों में नल से जल की सुविधा थी। यानि करीब 71 फीसदी घरों में नल से जल की सुविधा थी। राज्य के 33 जिलों में से चार जिले सर्टिफाइड जिले हैं। 247 तहसीलों में से 44 तहसीलें, 13927 पंचायतों में से 5791 पंचायतों तथा 18187 गांवों में से 6816 गांव सर्टिफाइड हैं।